(c) the number of film certified by the regional office at Hyderabad?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (KUMARI GIRIJA VYAS): (a) The number of Indian feature films certified 'U', 'UA' and 'A' during January to May 1992 is as under:

U-228 UA-36 A-64

TOTAL-326

- (b) The number of Indian feature films originally refused certificate during the period by Central Board of Film Certification is 7.
- (c) The number of Indian feature films granted certificate at the Hyderabad regional office of Central Board of Film Certification from January to May 1992 is 63.

## स्टार टी० बी०, बी० बी० सी० की हिन्दी सेवाग्रों का प्रसारण

## 1563. श्री शंकर क्याल सिहः श्री गुफरान आजनः

क्या लु**च**ा **गौर प्र**सारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या यह सच है कि सरकार

  में स्टार टी०बी०, बी०बी०सी० और
  सी०एन०एन० की हिन्दी सेवाओं को
  दूरदर्शन से प्रसारित करने की अनुमति
  प्रदान कर दी है;
- (ख) यदि हाँ, तो उसका अयौरा क्याहै:
- (ग) क्या इसके परिणासस्वरूप दूर-दर्शन को भारी राजस्व अति होने की मंभावना है; भीर

(घ) सरकार दूरदर्शन को लीक प्रियता को पुन: बहाल करने के लिए क्या कदम उठाने का विचार रखती. है?

सूच ना और प्रसारक मंजालय उप मंद्री (कुमारी .गिरचा व्यास) : (क) जी, नहीं।

- (ख) धौर (ग) ये सवाल पैद, ही नहीं होते।
- (घ) दूरदर्शन का निरम्तर यह प्रयास रहता है कि उसके कार्यत्रमों के स्वरूप और विषयवन्तु में समय-समय पर गुणात्मक सुधार किए आएं ताकि उसके कार्यक्रमों में दर्शकों की रुचि बराबर बनी रहे।

## "भाणक्य" धारावाहिक से दूरदर्भन को हुई राजस्य की प्राप्ति

1564' श्री शंकर द्याल सिंह: दया सूचना और प्रश्र रण मंत्री यह बताने की हुआ करेंगे कि:

- (क) ''चाणक्य'' धारावाहिक के प्रसारण से दूरदर्शन को भ्रव तक कुल कितने राजस्व की प्राप्ति हुई है;
- (ख) क्या सरकार भविष्य में ऐसे भ्रन्य ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक धाराबाहिकों के प्रसारण का विचार रखती है; भीर
- (ग) यदि हां, तो उसका <mark>क्योरा</mark> क्याहै?

सूचना और प्रसारण मंत्रास्य में उप मंत्री (शुमारी गिरिका व्यास): 41 वां प्रकरण के प्रसारित कर दिए जाने तक 14,74,13,500।- रुपये।

(ख) और (ग) दूरदर्शन का यह
प्रयास रहता है कि सुस्थापित परम्पराभों
श्रीर विरासत तथा सामाजिक—सांस्कृतिक
एवं ऐतिहासिक विषयों पर धाराबाहिक
और ग्रन्य कार्यक्रम प्रसारित किए जाएं
जिनका महत्व विश्वव्यापी हो। यह एक
सतत प्रक्रिया है।